नव भारत
1934 से

2 सीमावर्ती घुसपैठ रोकें और सेना की सुरक्षा सुनिश्चित करें : शाह

4 कबीर की सीख आज भी क्यों है सबसे बड़ी जीवन-दृष्टि

9 स्पेन-अर्जेंटीना के बीच आज महामुकाबला

11 इसरो, निजी क्षेत्र और अंतरिक्ष में भारत का भविष्य

अंतरिक्ष में रचा नया इतिहास

भारत का पहला निजी ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 सफलतापूर्वक कक्षा में पहुंचा

450 किलोमीटर की लक्षित कक्षा में पहुंचा

16.95 कैरेट का हीरे का कमल आभूषण शामिल था

श्रीहरिकोटा (आंध्र प्रदेश), 18 जुलाई. देश के पहले निजी तौर पर विकसित ऑर्बिटल-क्लास रॉकेट विक्रम-1 ने शनिवार को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से सफलतापूर्वक उड़ान भरते हुए अपनी निर्धारित कक्षा हासिल कर ली. हैदराबाद स्थित स्काईरूट एयरोस्पेस द्वारा विकसित इस मिशन को मिशन आगमन नाम दिया गया था.

करीब 36 घंटे की उल्टी गिनती के बाद दोपहर 12:05 बजे प्रक्षेपण प्रक्रिया शुरू हुई. स्वचालित लॉन्च अनुक्रम के दौरान तकनीकी प्रणाली में एक अस्थायी खराबी सामने आई, जिसे इंजीनियरों ने तुरंत दूर किया. इसके बाद 20 मिनट की नई उल्टी गिनती पूरी होने पर रॉकेट ने सफलतापूर्वक उड़ान भरी.

लगभग 15 मिनट की उड़ान के बाद 40 टन वजनी और 22 मीटर ऊंचे बहु-चरणीय प्रक्षेपण यान ने 450 किलोमीटर की ऊंचाई और 60 डिग्री के झुकाव वाली अपनी लक्षित कक्षा प्राप्त कर ली. मिशन के सफल होने के बाद इसरो के नियंत्रण कक्ष में वैज्ञानिकों ने एक-दूसरे को बधाई दी और इसरो ने घोषणा की कि विक्रम-1 अभियान सफलतापूर्वक संपन्न हुआ. विक्रम-1 में कई भारतीय और अंतरराष्ट्रीय तकनीकी प्रदर्शक पेलोड शामिल किए गए थे. इनमें स्काईरूट का स्कोप उपग्रह, ग्राहा स्पेस का क्यूबसैट, कॉस्मोसर्व स्पेस का रोबोटिक आर्म प्रदर्शन पेलोड, जर्मनी की डीक्यूब्ड कंपनी के अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी उपकरण तथा कॉसमॉस डायमंड्स द्वारा विकसित द कॉस्मिक ब्लूम नामक 16.95 कैरेट का हीरे का कमल आभूषण शामिल था.

> विक्रम-1 पूरी तरह कार्बन मिश्रित संरचना, ठोस ईंधन बूस्टर और उन्नत तरल ईंधन इंजनों से लैस बहु-चरणीय प्रक्षेपण यान है. इसे पृथ्वी की निचली कक्षा में 350 किलोग्राम तक तथा सौर-तुल्यकालिक कक्षा में 260 किलोग्राम तक के छोटे उपग्रहों के प्रक्षेपण के लिए विकसित किया गया है. स्काईरूट एयरोस्पेस ने इससे पहले नवंबर 2022 में निजी उप-कक्षीय रॉकेट विक्रम-एस का सफल प्रक्षेपण किया था.

> रॉकेट के सफल प्रक्षेपण के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्काईरूट एयरोस्पेस के संस्थापक पवन कुमार चंदाना और नागा भरत डाका से फोन पर बातचीत कर उन्हें और उनकी पूरी टीम को बधाई दी. प्रधानमंत्री ने कहा कि इस उपलब्धि ने देश की नई पीढ़ी को प्रेरित किया है और भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में नवाचार तथा उद्यमशीलता को नई दिशा दी है.

फीफा विश्व कप फाइनल आज

न्यूयॉर्क (अमेरिका), 18 जुलाई. फीफा विश्व कप 2026 का बहुप्रतीक्षित फाइनल रविवार को मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना और यूरोपीय चैंपियन स्पेन के बीच खेला जाएगा.

यह मुकाबला केवल दो दिग्गज फुटबॉल टीमों के बीच खिताब की लड़ाई नहीं, बल्कि शानदार आक्रमण और अभेद्य रक्षा के बीच भी सीधी टक्कर माना जा रहा है. एक ओर लियोनेल मेसी अपने तीसरे विश्व कप फाइनल में उतरेंगे, वहीं स्पेन के युवा स्टार लामिन यामाल पहली बार इस सबसे बड़े मंच पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे. पूरे टूर्नामेंट में अर्जेंटीना ने सबसे अधिक 19 गोल दागे हैं और पिछले 13 विश्व कप मुकाबलों में लगातार कम से कम दो गोल करने का रिकॉर्ड कायम रखा है. टीम ने बॉक्स के बाहर से भी पांच गोल किए हैं, जो उसकी आक्रामक धार को दर्शाता है.

लेकिन आंकड़े बताते हैं कि उसका रक्षात्मक प्रदर्शन वास्तविकता से बेहतर रहा है और टीम ने विरोधियों को बहुत कम स्पष्ट मौके दिए हैं दूसरी ओर, स्पेन का डिफेंस पूरे टूर्नामेंट की सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरा है.

फीफा 2026 के फाइनल्स में स्पेन का मुकाबला अर्जेंटीना से!

अवैध पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, 8 लोगों की मौत

- लाइसेंस रद्द होने के बावजूद संचालित हो रही थी इकाई
- एफएसएल ने शुरू की जांच, सुरक्षा नियमों की होगी जांच

अहमदाबाद, 18 जुलाई. गुजरात के अहमदाबाद के वस्त्राल क्षेत्र में शनिवार को रामोल-गात्राड रोड पर स्थित एक अवैध पटाखा निर्माण इकाई में भीषण विस्फोट के बाद आग लग गई. पुलिस के अनुसार, हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि 15 से अधिक लोग घायल हुए हैं. घायलों को उपचार के लिए एलजी अस्पताल और असरवा सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है.

पुलिस के मुताबिक, प्रारंभिक सूचना में दो लोगों की मौत की पुष्टि हुई थी, लेकिन राहत और बचाव अभियान आगे बढ़ने के साथ मृतकों की संख्या बढ़कर आठ हो गई. घटना के समय फैक्ट्री में लगभग 25 लोग काम कर रहे थे.

> प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हादसे पर शोक व्यक्त किया है. उन्होंने मृतकों के परिजनों के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो-दो लाख रुपये तथा घायलों के लिए आर्थिक सहायता की घोषणा की. प्रशासन ने बताया कि राहत एवं बचाव कार्य पूरा कर लिया गया है और घटनास्थल को सुरक्षा घेरे में लेकर साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं. जांच पूरी होने के बाद विस्फोट के कारणों और जिम्मेदारी तय करने संबंधी आगे की कार्रवाई की जाएगी.

एक नजर में

पूर्व पीएम एचडी देवेगौड़ा की पत्नी चेन्नम्मा का निधन

बेंगलुरु. पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा की पत्नी चेन्नम्मा देवेगौड़ा ने शनिवार 18 जुलाई को बेंगलुरु के एक निजी अस्पताल में अंतिम सांस ली. अस्पताल की ओर से जारी बयान के अनुसार, चेन्नम्मा की तबीयत में पहले सुधार हो रहा था, लेकिन शनिवार शाम करीब 4 बजे उन्हें गंभीर कार्डियक अरेस्ट हुआ.

सूचकांक के लिए किया 10 सदस्यीय समिति का गठन

नई दिल्ली. लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने देश की विधायिकाओं के प्रदर्शन का वस्तुनिष्ठ मानकों के आधार पर आकलन करने के वास्ते 10 सदस्यीय उच्चस्तरीय समिति का गठन किया है. श्री बिरला अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन के अध्यक्ष भी हैं. उन्होंने राष्ट्रीय विधायी सूचकांक के लिए इस समिति का गठन किया है. सूत्रों के अनुसार समिति का गठन 19 से 21 जनवरी तक उत्तर प्रदेश के लखनऊ में आयोजित 86वें एआईपीओसी में सर्वसम्मति से पारित प्रस्ताव संख्या-6 के अनुपालन में किया गया है.

रिंग रोड प्रभावित 20 को भोपाल कूच करेंगे

चार गुना मुआवजे सहित कई मांगें उठाएंगे

नवभारत न्यूज़

इंदौर, 18 जुलाई. रिंग रोड परियोजना से प्रभावित किसान 20 जुलाई को क्षिप्रा से 800 ट्रैक्टरों और इतने ही वाहनों के काफिले के साथ भोपाल कूच करेंगे. करणी सेना के नेतृत्व में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर किसान भूमि अधिग्रहण से जुड़ी विभिन्न मांगों को सरकार के समक्ष रखेंगे.

इसकी जानकारी शनिवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में करणी सेना के ऋषिराज सिसोदिया पदाधिकारियों और प्रभावित किसानों ने दी. प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया गया कि रिंग रोड परियोजना से इंदौर जिले की सांवेर, हातोद और देपालपुर तहसील के 39 गांवों के करीब एक हजार किसान प्रभावित हैं. किसानों का कहना है कि भूमि अधिग्रहण के बावजूद अब तक कई स्थानों पर सर्विस रोड का निर्माण शुरू नहीं किया गया है, जिससे ग्रामीणों को आवागमन और खेती-किसानी में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. प्रभावित किसानों ने अधिग्रहित भूमि का चार गुना मुआवजा देने और नेशनल हाईवे के दोनों ओर सर्विस रोड का निर्माण कराने की मांग की है.

गोदावरी नदी में डूबने से पांच लोगों की मौत

एलुरु. आंध्र प्रदेश के पोलावरम जिले के येतापाका मंडल स्थित गोल्लागुडेम गांव में शनिवार को गोदावरी नदी में डूबने से तीन महिलाओं समेत पांच लोगों की मौत हो गयी. ये सभी आदिवासी थे. पुलिस ने बताया कि ये पांचों मछली पकड़ने के लिए नदी में उतरे थे. इनकी पहचान ऊके सुशीला (37), ऊके लक्ष्मी (37), तुर्रम भारती (40), भसुबोइना बालाराजू (38) और ऊके रमेश (38) के रूप में हुई है. गोताखोरों ने शवों को नदी से बाहर निकाला और पोस्टमॉर्टम के लिए जीजीएच (सरकारी सामान्य अस्पताल) भेज दिया.

वांगचुक को अस्पताल में भर्ती कराया

नई दिल्ली, 18 जुलाई. दिल्ली पुलिस ने आमरण अनशन पर बैठे सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को जंतर मंतर से शनिवार सुबह हटा कर सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कर दिया. अस्पताल प्रशासन ने 2 बुलेटिन जारी करके बताया है कि वांगचुक को डिहाइड्रेशन हुआ है, लेकिन उन्होंने दवा लेने से इनकार कर दिया है.

श्री वांगचुक विभिन्न परीक्षाओं में पेपर लीक होने से रोकने, शिक्षा व्यवस्था में सुधार तथा शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी के बैनर तले

गत 28 जून से आमरण अनशन कर रहे थे. दिल्ली पुलिस ने श्री वांगचुक के बिगड़ते स्वास्थ्य का हवाला देते हुये उन्हें जंतर मंतर से हटाकर अस्पताल में भर्ती करा दिया. पुलिस ने कहा है कि श्री वांगचुक को दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश तथा चिकित्सा विशेषज्ञों की सलाह पर उनके बिगड़ते स्वास्थ्य को देखते हुये आवश्यक चिकत्सा उपायों के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है. पुलिस ने जंतर मंतर पर मौजूद प्रदर्शनकारियों को शांतिपुर्वक ढंग वहां से चले जाने को कहा है.

> **अभिजीत दीपके पर फेंकी गयी स्याही**
> कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अध्यक्ष अभिजीत दीपके पर शनिवार को विरोध प्रदर्शन के दौरान उस समय नीली स्याही फेंकी गयी जब वह जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों को संबोधित कर रहे थे.

आरबीआई फिर प्लास्टिक नोट लाने की तैयारी में

नई दिल्ली, 18 जुलाई. भारतीय रिजर्व बैंक देश में पॉलीमर बैंकनोटों की शुरुआत के लिए नई तैयारी कर रहा है. रिपोर्टों के अनुसार, आरबीआई जल्द ही 10 रुपए और 20रुपए जैसे छोटे मूल्यवर्ग के नोटों के लिए पायलट प्रोजेक्ट शुरू कर सकता है.

इससे पहले वर्ष 2010 और 2017 में भी पॉलीमर नोटों को लेकर प्रयास किए गए थे, लेकिन वे विभिन्न तकनीकी और परिचालन कारणों से आगे नहीं बढ़ सके. पॉलीमर बैंकनोट विशेष प्रकार के प्लास्टिक सब्सट्रेट से बनाए जाते हैं. ये पारंपरिक कॉटन-आधारित कागजी नोटों की तुलना में अधिक टिकाऊ माने जाते हैं.

इनमें नमी, गंदगी और फटने का असर अपेक्षाकृत कम होता है. इसके अलावा इनमें पारदर्शी विंडो, माइक्रो-ऑप्टिक होलोग्राम और उन्नत सुरक्षा स्याही जैसे अतिरिक्त सुरक्षा फीचर जोड़े जा सकते हैं. जिससे नकली नोटों की पहचान आसान होती है.

मानसून सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक आज

- संसद सत्र से पहले सरकार की पहल
- कई मुद्दों पर सरकार को घेरने की तैयारी में विपक्ष

नई दिल्ली, 18 जुलाई. संसद के मानसून सत्र से पहले सरकार रविवार को सभी राजनीतिक दलों के साथ दोनों सदनों की कार्यवाही सुचारू ढंग से चलाने के लिए विचार- विमर्श करेगी.

संसदीय कार्य मंत्री किरेण रिजिजू ने इस बैठक के लिए सभी राजनीतिक दलों को निमंत्रण भेजा है और पहली बार नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया को भी बैठक में आने का न्यौता दिया गया है.

पश्चिम बंगाल चुनाव के बाद हो रहे इस पहले संसद सत्र के हंगामेदार होने की संभावना है. विपक्षी दलों ने कहा है कि वे सत्र के दौरान राम मंदिर चढावा चोरी, नीट पेपर लीक, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर अनशन कर रहे सोनम वांगचुक को धरना स्थल से जबरन हटाये जाने, महंगाई, विदेश नीति, ऑपरेशन सिंदूर में सैनिकों के शहीद होने से संबंधित रक्षा मंत्री के बयान और ई-20 पेट्रोल जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरेंगे. सरकार एक बार फिर से परिसीमन विधेयक को पारित कराने की कोशिश में रहेगी. उधर विपक्षी दलों का कहना है कि सरकार को पहले इसके बारे में सभी दलों को विश्वास में लेना चाहिए. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इस विधेयक पर चर्चा के लिए प्रधानमंत्री को पत्र भी लिखा है.

ईरानी हमलों के बाद कुवैत ने उड़ानें रोकीं

कुवैत सिटी, 18 जुलाई. ईरान के मिसाइल और ड्रोन हमलों के बाद कुवैत ने शनिवार को अपने हवाई क्षेत्र में सभी उड़ानों का परिचालन अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया. हमलों में बिजली उत्पादन और समुद्री जल को पेयजल में बदलने वाले (डीसैलिनेशन) संयंत्रों को नुकसान पहुंचा है.

कुवैत एयरवेज ने कहा कि सुरक्षा कारणों से कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का परिचालन अस्थायी रूप से रोक दिया गया है, जिसके कारण अधिकांश उड़ानों का समय पुनर्निर्धारित किया गया. एयरलाइन ने यह नहीं बताया कि सामान्य सेवाएं कब बहाल होंगी और कितनी उड़ानें प्रभावित हुई हैं. कुवैत भर में शनिवार तड़के हवाई हमले के सायरन बजाये गये. अधिकारियों ने लोगों से घरों के भीतर रहने और सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने की अपील की, क्योंकि ईरान से दागी गयी मिसाइलें कुवैती हवाई क्षेत्र में प्रवेश कर गयी थीं.

> ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) ने दावा किया कि उसने कुवैत स्थित अरिफजान ग्राउंड फोर्सेज सपोर्ट सेंटर को निशाना बनाया, जहां तैनात कई अमेरिकी सैनिक मारे गए. आईआरजीसी ने इसे अपने ऑपरेशन नस्र-2 के 18वें चरण का हिस्सा बताया. आईआरजीसी ने यह भी दावा किया कि ड्रोन हमले में कुवैत स्थित अमेरिकी अली अल सलेम एयर बेस की रडार सुविधा को निष्क्रिय कर दिया गया. ईरानी सरकारी मीडिया ने यह भी दावा किया कि आईआरजीसी नौसेना ने अल अहमदी बंदरगाह स्थित अमेरिकी नौसेना की ईंधन सहायता सुविधा तथा एक अमेरिकी संचार एवं सिग्नलिंग केंद्र पर मिसाइल और ड्रोन हमले किये.

आयोजन | 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों का ऐलान, 'श्रीकांत' को सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म का पुरस्कार मिला

'आर्टिकल 370' बनी सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म

- मम्मूटी और कार्तिक आर्यन संयुक्त विजेता
- सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री यामी गौतम को अवार्ड

द्वष्नई दिल्ली, 18 जुलाई. 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में फिल्म 'आर्टिकल 370' ने सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का पुरस्कार हासिल किया. फिल्म का निर्देशन आदित्य सुहास जांभले ने किया था और इसमें यामी गौतम ने मुख्य भूमिका निभाई थी.

यामी गौतम को इसी फिल्म के लिए लीडिंग रोल में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार मिला. यह उनका पहला राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार है. फिल्म 'आर्टिकल 370' में यामी गौतम के साथ प्रियामणि और अन्य कलाकारों ने भी अभिनय किया था. फिल्म का निर्माण वर्ष 2024 में हुआ था. बॉक्स ऑफिस ट्रैकिंग वेबसाइट सैकनिल्क के अनुसार, लगभग 20 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने दुनियाभर में करीब 110 करोड़ रुपये का कारोबार किया. राजकुमार राव अभिनीत फिल्म 'श्रीकांत' को सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म का पुरस्कार मिला. फिल्म का निर्देशन तुषार हीरानंदानी ने किया था. इसमें राजकुमार राव के अलावा ज्योतिका, अलाया एफ और शरद केलकर ने महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई थीं. सैकनिल्क के अनुसार, लगभग 35 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने करीब 60 करोड़ रुपये की कमाई की. अभिनय श्रेणी में मलयालम फिल्म 'ब्रमायुगम' के लिए मम्मूटी और हिंदी फिल्म 'चंदू चैंपियन' के लिए कार्तिक आर्यन को संयुक्त रूप से सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार दिया गया. सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार तमिल फिल्म 'अमरन' के लिए राजकुमार पेरईसामी को मिला.

> **राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार का इतिहास**
> राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की शुरुआत वर्ष 1954 में हुई थी. इसका उद्देश्य भारतीय सिनेमा को प्रोत्साहित करना और विभिन्न भाषाओं की श्रेष्ठ फिल्मों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान देना था. शुरुआत में इसे 'स्टेट अवॉर्ड फॉर फिल्म्स' के नाम से जाना जाता था. पहला पुरस्कार तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद द्वारा प्रदान किया गया था. वर्ष 1954 में सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का पहला पुरस्कार मराठी फिल्म 'श्यामची आई' को मिला था. वहीं, सर्वश्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री फिल्म का पुरस्कार 'महात्मा गांधी' और सर्वश्रेष्ठ बच्चों की फिल्म का पुरस्कार 'जागृति' को दिया गया था.
>
> ▸ सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार राजकुमार पेरईसामी को ▸ रणदीप हुडा की स्वातंर्त्य वीर सावरकर को किसी निर्देशक की सर्वश्रेष्ठ डेब्यू फिल्म का पुरस्कार ▸ सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म का पुरस्कार श्रीकांत को ▸ 'ब्रमायुगम' और 'चंदू चैंपियन' कार्तिक आर्यन को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता पुरस्कार.